# सांध्य दैनिक 4PM

बिना किसी शक के मशीनों ने समृद्ध आलसियों की संख्या बहुत अधिक बढ़ा दी है।

-कार्ल मार्क्स

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 149 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 6 जुलाई, 2023



टी-20 टीम में तिलक वर्मा... 7 | पवारों की लड़ाई, सियासत पर बन... 3 | जनता की तकलीफ से सरकार... 2


# मानसूनी बारिश में बढ़ी दिल्ली की सियासी तपिश

» एनसीपी में मचे कोहराम के बाद पवार राजधानी पहुंचे

» विपक्षी सदस्यों ने संसद पैनल की बैठक से किया वॉकआउट

» राजस्थान विस चुनाव पर कांग्रेस में माथा-पच्ची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बारिश से तरबतर हो रही राजधानी दिल्ली में सियासत की तपिश बनी हुई है। जहां महाराष्ट्र में मची उथल-पुथल के बाद एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार अपनी पुत्री के साथ वहां पहुंच गए है। वह पार्टी की बैठक करेंगे उसके बाद पार्टी पर दावे के बाबत चुनाव आयोग से भी मिलेंगे। वहीं राजस्थान चुनाव को लेकर कांग्रेस एक बैठक कर रही है जिसमें वह अगले चुनाव पर चर्चा करेगी। उधर आगामी आने वाले मानसून सत्र को लेकर होने वाली सर्वदलीय बैठक पर विपक्ष व सत्ता पक्ष में मुद्दों को लेकर मतभेद हो गया है इसका वाकआउट करने का कांग्रेस व टीमएसी ने फैसला किया है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, के संस्थापक शरद पवार और उनके बागी भतीजे अजित पवार की ओर से बुलाई गई दो बड़ी-बड़ी बैठकों के बाद पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न की लड़ाई अब चुनाव आयोग की चौखट पर पहुंच गई है। अजित पवार खेमे ने चुनाव आयोग से संपर्क कर दावा किया है कि पार्टी के अधिकतर विधायकों का समर्थन उन्हें ही हासिल है। अजित पवार महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री बन चुके हैं।

## मंत्रिपद के लिए शिंदे गुट के विधायक आपस में भिड़े

मंत्री पद को लेकर दो विधायक आपस में भिड़ गए हैं। ऐसे में यह बात सामने आई है कि एकनाथ शिंदे को अपना गढ़चिरौली दौरा रद्द करना पड़ा है। शिवसेना के मंत्रियों का एक समूह और विधायकों का एक समूह मंत्री पद को आमने-सामने था। बताया जा रहा है कि मंगलवार को दो विधायक आपस में भिड़ गये। एकनाथ शिंदे को 8 जुलाई को गढ़चिरौली का दौरा करना था। गढ़चिरौली में शासन आपके दरवाजे पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। हालांकि, इस विवाद की वजह से मुख्यमंत्री ने अचानक यह दौरा रद्द कर दिया। कहा जा रहा है कि मौजूदा राजनीतिक हालात के चलते शिंदे ने कार्यक्रम स्थगित कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, विधायक गठबंधन पर आपत्ति जता रहे हैं, और उनका कहना था कि शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे कभी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ नहीं जुड़ते।

## कानूनी सलाह के बाद तोड़ी पार्टी : भुजबल

अजित पवार गुट ने अचानक एनसीपी तोड़ने का फैसला नहीं किया बल्कि सोच समझकर और पूरी तैयारी से ऐसा किया गया है। उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने से पहले अजित पवार और उनके सहयोगियों से कानूनी विशेषज्ञों से सलाह भी थी ताकि अयोग्य ठहराए जाने से बच सकें। अजित पवार गुट के नेता छगन भुजबल ने यह जानकारी दी है। साथ ही पार्टी के संविधान और मतदान नियमों का भी पालन किया गया है।

## शरद पवार की तस्वीरों के इस्तेमाल पर फैसला अजित करेंगे

छगन भुजबल ने ये भी कहा कि पार्टी के पोस्टर्स में शरद पवार की तस्वीर इस्तेमाल करनी है या नहीं, इसका फैसला अजित पवार और अन्य नेता करेंगे। एनसीपी नेता शरद पवार ने कहा था कि उनकी तस्वीर का इस्तेमाल उनकी अनुमति के बाद ही होना चाहिए और सिर्फ उन्हीं लोगों द्वारा उनकी तस्वीर का इस्तेमाल किया जा सकता है, जो उनकी विचारधारा को मानते हैं। एनसीपी (अजित गुट) के नेता छगन भुजबल ने दावा किया कि 42-43 विधायकों ने अजित पवार के समर्थन में हलफनामे पर हस्ताक्षर किए हैं। छगन भुजबल ने अजित पवार के पार्टी तोड़ने की वजह का भी खुलासा किया। भुजबल ने कहा कि हमने शरद पवार को पहले ही सलाह दी थी कि उन्हें अपनी बेटी (सुप्रिया सुले) को पार्टी का अध्यक्ष बनाना चाहिए और अजित पवार को महाराष्ट्र का नेतृत्व सौंपा जाना चाहिए।

## मणिपुर पर चर्चा की मांग खारिज होने पर विपक्ष का वॉकआउट

» सर्वदलीय बैठक 19 को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। संसद का सत्र सही तरीके से चल सके इसके लिए केंद्र सरकार की ओर से 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। वहीं, मणिपुर पर चर्चा की मांग खारिज होने के बाद विपक्षी सदस्यों ने संसद पैनल की बैठक से वॉकआउट कर दिया है। सूत्रों ने बताया कि गृह मामलों की संसदीय स्थायी समिति के विपक्षी सदस्यों ने मणिपुर की स्थिति पर चर्चा करने की उनकी मांग को पैनल प्रमुख द्वारा अस्वीकार किए जाने के बाद गुरुवार को बैठक से वॉकआउट करने का फैसला लिया। बताया जा रहा है कि राज्यों में जेल सुधारों पर चर्चा के लिए एक बैठक आयोजित की गई थी।

## टीएमसी व कांग्रेस ने लिखा पत्र

इस दौरान, टीएमसी के डेरेक ओ ब्रायन, कांग्रेस के दिग्विजय सिंह और प्रदीप भट्टाचार्य ने पैनल के अध्यक्ष बृजलाल को पत्र सौंपकर कहा कि समिति के सदस्य के रूप में मणिपुर की स्थिति को नजरअंदाज नहीं कर सकते। इससे पहले भी ओ ब्रायन और दिग्विजय सिंह ने बृजलाल को पत्र लिखकर मणिपुर की स्थिति पर चर्चा के लिए एक बैठक बुलाने का आग्रह किया था। अध्यक्ष ने दोनों सांसदों को मणिपुर की स्थिति पर तत्काल बैठक आयोजित करने में असमर्थता जताई थी। उन्होंने कहा था कि जुलाई में जेल सुधार पर तीन बैठकें निर्धारित की गई हैं। इसलिए तुरंत मणिपुर की स्थिति पर बैठक नहीं की जा सकती है। वहीं, गुरुवार को हुई संसद पैनल की बैठक में अध्यक्ष समेत कुल सात सदस्य शामिल हुए।

# अध्यादेश की लड़ाई 'सुप्रीम' चौखट पर आई

» अध्यादेश के खिलाफ राज्य की याचिका पर सोमवार को होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग पर केंद्र सरकार के अध्यादेश के मामले में सुप्रीम कोर्ट सोमवार,10 जुलाई को सुनवाई करेगा। दिल्ली सरकार ने अध्यादेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। गुरुवार को चीफ जस्टिस के सामने जल्द सुनवाई की बात कही गई है, जिस पर उन्होंने सोमवार को सुनवाई की बात कही।

दिल्ली सरकार की शक्तियों को लेकर केंद्र और राज्य के बीच चल रही खींचतान पर पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की पीठ ने बड़ा फैसला सुनाया था। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांसफर-पोस्टिंग समेत दिल्ली सरकार के तमाम अधिकारों पर मुहर लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद केंद्र सरकार एक अध्यादेश लेकर आई जिसमें एक बार फिर उपराज्यपाल को दिल्ली सरकार के ऊपर कर दिया गया। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी सरकार विरोध कर रही है। अरविंद केजरीवाल देश भर में घूम-घूमकर अध्यादेश के विरोध में विपक्षी नेताओं के समर्थन मांग रहे हैं, उन्होंने कांग्रेस से भी अध्यादेश का विरोध करने को कहा है। मानसून सत्र में अध्यादेश को लेकर आम आदमी पार्टी विरोध की तैयारी कर रही है।

## सिसोदिया कोर्ट में पेश, चार्जशीट से जुड़े दस्तावेज पर हुई सुनवाई

दिल्ली आबकारी नीति मामले में गिरफ्तार दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को कोर्ट में पेश किया गया। इस मामले में कोर्ट ने सीबीआई से पूछा है कि क्या सभी आरोपियों को चार्जशीट से जुड़े दस्तावेज दे दिए गए हैं? इस पर सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि सभी आरोपियों को चार्जशीट से जुड़े दस्तावेज दे दिए गए हैं। राउज एवेन्यू कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई 31 जुलाई को सुबह 10:30 बजे होगी। आबकारी नीति से जड़े भ्रष्टाचार के मामले में सिसोदिया समेत कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आबकारी नीति मामले में सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सीबीआई को सप्लीमेंट्री चार्जशीट से जुड़े दस्तावेज भी आरोपियों को देने का निर्देश दिया। अब अगली सुनवाई में कोर्ट दोनों तरफ की दलीलों को सुनेगा। वहीं सिसोदिया ने अपनी जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका को दाखिल की है।

# जनता की तकलीफ से सरकार का कोई लेना-देना नहीं : अखिलेश

» बोले-भाजपा सिर्फ बयानबाजी और झूठे दावे करती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का भाजपा सरकार पर हमला जारी है। उन्होंने तल्ख लहजे में कहा है कि योगी सरकार जनता को तकलीफों से बचाने में कोई रुचि नहीं ले रही है। प्रदेश में बरसात शुरू होते ही जलभराव और सड़क धंसने की खबरें आनी शुरू हो गई हैं। भाजपा सिर्फ बयानबाजी करने और विकास के झूठे दावे करने में माहिर है।

सड़कें गड्ढामुक्त होने की जगह खुद गड्ढा बन गई। अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि लखनऊ नगर निगम क्षेत्र तक जलभराव का शिकार बन गया। कानपुर से जाजमऊ गंगा पुल के बाद लखनऊ तक पहुंचने में हजारों गड्ढे बीच में हैं। इसे खूनी राजमार्ग भी कहा जाने लगा है। यहां 93 लोगों की जानें जा चुकी हैं। छोटी काशी की सड़कों पर गड्ढों की भरमार है, जहां सावन में भोले शंकर का जलाभिषेक करने के लिए कांवड़ियों की टोलियां आती हैं।

## सपा कार्यालय के बाहर लगे इस बार पीडीए सरकार के पोस्टर

समाजवादी पार्टी ने लोकसभा चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके लिए सपा कार्यकर्ता भी उत्साहित नजर आ रहे हैं। गुरुवार को लखनऊ स्थित सपा कार्यालय के बाहर इस बार पीडीए सरकार के पोस्टर भी लगा दिए गए हैं। सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा है कि समाजवादी आंदोलन व विचार हमेशा से ही सामाजिक न्याय का पक्षधर रहा है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव समाज के उस तबके के लिए संघर्षरत हैं जिसे अब तक उसका अधिकार और सम्मान नहीं मिला है। इसमें पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक आते हैं। यही पीडीए है। पीडीए मतलब पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक।

## सपा की प्रदेश कार्यकारिणी जल्द

लोकसभा चुनाव को देखते हुए सपा की प्रदेश कार्यकारिणी जल्द घोषित कर दी जाएगी। सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल का कहना है कि अभी पार्टी की जिला व फ्रंटल कमेटियों का गठन चल रहा है। शीघ्र ही प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा भी कर दी जाएगी। ज्ञात हो कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं को लोकसभा चुनाव में 80 हराओ भाजपा भगाओ का लक्ष्य दिया है। सपा का अक्टूबर 2022 में राष्ट्रीय व प्रांतीय सम्मेलन हुआ था, जिसमें अखिलेश यादव को राष्ट्रीय अध्यक्ष और नरेश उत्तम पटेल को प्रांतीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की तो घोषणा हो चुकी है, पर कार्यकर्ताओं को 9 माह बाद भी प्रदेश कार्यकारिणी का अभी तक इंतजार है। आम तौर पर सपा की प्रदेश कार्यकारिणी में 51 सदस्य रहते हैं, लेकिन पिछली बार विधानसभा चुनाव को देखते हुए यह 71 सदस्यीय थी। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर माना जा रहा है कि इस बार भी प्रदेश कार्यकारिणी में ज्यादा से ज्यादा नेताओं को जगह देने का प्रयास किया जाएगा। इसमें जातीय समीकरण का भी ध्यान रखा जाएगा।

# सभी जिलों में खुलेंगे अटल आवासीय विद्यालय : योगी

» इंटर तक की पढ़ाई होगी मुफ्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार आने वाले समय में सभी जिलों में एक-एक अटल आवासीय विद्यालय खोलेगी। इसके बाद प्रत्येक विकासखंड में यह विद्यालय खोले जाएंगे। सीबीएसई बोर्ड पर आधारित इन विद्यालयों में पंजीकृत श्रमिकों के बच्चे व अनाथ बच्चे पढ़ेंगे। इसमें कक्षा एक से 12वीं तक की पढ़ाई मुफ्त होगी। वर्तमान में मंडल मुख्यालयों में 18 विद्यालय बन चुके हैं जिनमें पढ़ाई इसी वर्ष से शुरू हो जाएगी।

मुख्यमंत्री ने भिक्षावृत्ति से मुक्त कराए गए 102 बच्चों को मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना का प्रमाण पत्र व शैक्षिणिक किट प्रदान की। अपने सरकारी आवास में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि भिक्षाटन प्राचीन काल में भारतीय परंपरा का हिस्सा थी, इसमें संन्यासी के लिए दिन में एक बार किसी परिवार के पास जाकर भिक्षा लेने का प्रविधान था। इसके पीछे का मकसद अपने अहंकार को त्याग कर समाज को जानने-समझने का अवसर प्रदान करना था, लेकिन जब इसके साथ व्यवसाय जुड़ जाता है तो इसका खतरनाक पहलू भी देखने को मिलता है। कई बार सुनने को आता है कि गिरोह बच्चों को दिव्यांग बनाकर उनसे जबरन भिक्षावृत्ति करवाते हैं। कई गिरोहों के खिलाफ समय-समय पर कार्रवाई भी होती रही है। भिक्षावृत्ति करने वाले परिवारों का पुनर्वास किया जा सके, इस दृष्टि से स्माइल परियोजना प्रारंभ की गई है। आज यहां 102 बच्चों का पुनर्वास किया गया है।

# भाजपा को सत्ता से बेदखल कर देगी जनता : बृजलाल खाबरी

» कांग्रेस ही लड़ेगी आम आदमी की लड़ाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी ने कहा कि आम आदमी की लड़ाई कांग्रेस ही लड़ सकती है। आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के लिए प्रदेश की जनता तैयार है। प्रदेश अध्यक्ष ने सदस्यता ग्रहण करने वालों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी के सामने कई चुनौतियां हैं। देश में भय एवं नफरत का माहौल है।

भाजपा लोकतंत्र एवं संविधान को समाप्त करने का कुत्सित प्रयास कर रही है। महंगाई, बेरोजगारी से ध्यान भटका कर देश की जनता को गुमराह किया जा रहा है। ऐसे में पार्टी में शामिल होने वाले लोग लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए लड़ी जा रही लड़ाई को बल मिलेगा। कांग्रेस की सदस्यता लेने वालों में प्रमुख रूप से सपा से नाता तोड़ कर आने वाले अंसार खान, मजहर शैलेन्द्र गुप्ता, मोहम्मद मारूफ, शीबू, छंगा, अर्सलान, बसपा के फरहान, दाऊद, इसराइल, सिराज, निहाल, सहित करीब दो सौ लोग शामिल थे।

# मोदी को गरीबों से कोई मतलब नहीं : लालू

» भाजपा के लोग देश को लगातार तोड़ रहे हैं

» कार्यकर्ताओं से बोले- अनुसूचित वाले गांवों में जाओ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव ने कहा है कि भाजपा की सरकार व पीएम मोदी को देश के गरीब-गुरबा से कोई मतलब नहीं है। ये लोग देश को तोड़ना है, लगातार तोड़ना है- यही है। बड़े पैमाने पर विधायकों को खरीद कर सरकार बनाते हैं यह लोग। इनके सामने झुकना नहीं है, बढ़ते जाना है। वह राजद के स्थापना दिवस समारोह में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने का एलान करते हुए विपक्षी एकता के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रयास को सफल बताया। उन्होंने साफ शब्दों में अपने समर्थकों और कार्यकताओं के साथ नेताओं को सीख दी कि अनुसूचित जाति के गांवों में जाओ। इनके गांवों में, इनके बीच में जाकर बात करना चाहिए। ऐसा न हो कि फिर कहीं भाजपा-आरएसएस वाला समझा-बुझा दे। लालू काफी समय बाद राजद दफ्तर आए थे। इससे पहले आए थे तो तेजस्वी भी साथ थे। अभी तेजस्वी विदेश में हैं और तेज प्रताप सभी नेताओं के साथ अमूमन पार्टी दफ्तर में नजर नहीं आते हैं।

## प्रफुल्ल पटेल का बयान बकवास : जदयू

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफल्ल पटेल ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रयास से बन रही विपक्षी एकता की खिल्ली उड़ाई है। प्रफुल्ल पटेल के इस बयान के बाद बिहार के राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गरम हो गया है। इस बारे में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एक बेहद करीबी नेता से बात की। इसपर उन्होंने कहा कि प्रफुल्ल पटेल ने सीधे तौर से सीएम नीतीश के प्रयास पर सवाल उठाया है, जो पूरी तरह से बकवास है। उन्होंने कहा कि प्रफुल्ल पटेल खुद भी शरद पवार के साथ विपक्षी एकता की बैठक में शामिल होने पटना आए थे, आज जब वह अपने नेता की इच्छा के विरुद्ध चले गए हैं तो इस तरह का बयान दे रहे हैं।

# कश्मीर की डेमोग्राफी बदलने की साजिश : महबूबा

» बोलीं-बाहरी लोगों को प्रदेश में बसाने की हो रही साजिश

» भाजपा के इशारे पर एनसीपी में हुआ विद्रोह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में बेघर लोगों को जमीन देने के बहाने यहां की डेमोग्राफी को बदलने की साजिश रची जा रही है। बाहरी लोगों को प्रदेश में बसाने के प्रयास किए जा रहे हैं। गौरतलब है कि हाल ही में जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने घोषणा की थी कि प्रदेश में बेघर लोगों को 5-5 मरला जमीन दी जाएगी, ताकि हर वंचित को रहने के आवास नसीब हो सके।

इस घोषणा के बाद ही महबूबा मुफ्ती का ये बयान आया है। इससे पहले पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के कार्यों पर सवाल उठाए हैं। आरोप लगाया कि ईसीआई में निष्पक्षता और तटस्थता का अभाव है। सत्तासीन भाजपा मीडिया सहित लोकतंत्र की अन्य संस्थाओं को नुकसान पहुंचा रही है। इससे देश में खतरे की स्थिति पैदा हो गई है। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। ईसीआई वास्तव में निष्पक्ष या तटस्थ नहीं है। ईडी भी निष्पक्ष नही है। उन्होंने महाराष्ट्र के घटनाक्रम पर कहा कि भाजपा के इशारे पर राकांपा के अजीत पवार और आठ विधायकों ने पार्टी के खिलाफ विद्रोह किया और शिवसेना-भाजपा सरकार में शामिल हो गए। कहा कि विपक्ष को न केवल भाजपा से बल्कि ईडी, सीबीआई और चुनाव आयोग जैसी विभिन्न सरकारी एजेंसियों की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। यह देश के लिए अच्छा नहीं है। भाजपा पार्टियों को तोड़ने और विधायकों को खरीदने के लिए धनबल का इस्तेमाल करती है, जबकि वह भ्रष्टाचार से लड़ने के बड़े-बड़े दावे करती है।

## कल होगी प्रदेश में विस चुनाव की मांग वाली याचिका पर सुनवाई

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक प्रणाली की बहाली के लिए जल्द विधानसभा चुनाव की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में वीरवार को सुनवाई होगी। पैंथर्स पार्टी नेता और पूर्व मंत्री हर्ष देव सिंह ने याचिका दर्ज कर शीर्ष अदालत का रुख किया था, ताकि जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की बहाली हो। जम्मू-कश्मीर में 2014 के बाद से चुनाव नहीं हुए है। 2018 में प्रदेश में राज्यपाल शासन लगाया गया। 2019 जून को जम्मू-कश्मीर को बिना चुनी हुई सरकार के पांच साल का समय भी पूरा हुआ। पांच साल से प्रदेश में लोकतांत्रिक प्रणाली ठप पड़ी और चुनी हुई सरकार की बजाय अफसरशाही है। हर्ष देव सिंह ने सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री द्वारा जारी कॉज लिस्ट का हवाला देते हुए कहा कि इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की पीठ द्वारा की जाएगी। जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की बहाली ये एक मात्र उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि पांच अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाला अनुच्छेद 370 को हटाया गया और जम्मू-कश्मीर व लद्दाख को दो अलग-अलग केंद्रशासित प्रदेश बनाया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव कराने के मुद्दे पर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग ने असहज चुप्पी बनाई है।

# पवारों की लड़ाई, सियासत पर बन आई

» एनसीपी के दो गुट करवा भाजपा ने चली चाल

» कांग्रेस-शिवसेना उद्धव गुट महाराष्ट्र में बदलेगी अब रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में चल रहे चाचा-भतीजे के पावर पालिटिक्स की चर्चा देश के हर खासो-आम के जुबान पर चढ़ा हुआ है। लोगों में कानाफुसी हो रही है कि जहां मोदी की सियासत से विपक्ष परेशान है वहीं शरद पवार के गुगली से भाजपा भी कहीं चित न हो जाए। जानकारों का कहना है पवारों की यह नूराकुश्ती पूरे देश की राजनीति पर 2024 लोक सभा चुनाव पर जरूर असर डालेगी। बुधवार को मुंबई में शरद व अजित पवार के गुटों ने बैठक बुलाई इस बैठक में अजित का पलड़ा भरी दिखा पर शरद पवार जैसे अजित को खरी-खरी सुनाई उससे तो ऐसा ही लगता है 83 वर्ष का यह राजनैतिक योद्धा अभी हार मानने वाला नहीं है और फिर एकबार सियासी दांव से सबको छकाने को तैयार हैं।

एनसीपी में बगावत के बाद अपने विधायकों की एकजुटता के मद्देनजर पार्टी प्रमुख शरद पवार ने मुंबई में बैठक बुलाई। इस दौरान शरद पवार ने उनके सामने कई संकट होने की बात कही। साथ ही कहा कि अगर उनके भतीजे अजित पवार के मन में कोई बात थी तो उन्हें बात करनी चाहिए थी। पवार ने कहा कि 24 साल पहले एनसीपी का जन्म मुंबई में हुआ। इन 24 वर्षों में अनेक कार्यकर्ता विधानमंडल में आए, कुछ सांसद, विधायक और मंत्री बने। एक सामान्य परिवार का कार्यकर्ता कैसे राज्य चला सकता है, यह देखने को मिला। इस राज्य के लोगों के जीवन पर प्रकाश डालने की कोशिश की गई, संकट तो बहुत हैं, मैंने कइयों के साथ काम किया. कई लोगों के काम करने के तरीके अलग-अलग थे। उस समय मेरा तरीका लोगों से बात करना और कोई निर्णय लेने पर उनकी बात सुनना था लेकिन आज देश में ऐसा नहीं है, आज देश और सभी राज्यों में असंतोष है, अगर लोकतंत्र को बचाना है तो संवाद शुरू करना होगा।

## प्रफुल्ल पटेल ने कराया दो फाड़

अजित पवार की नई एनसीपी तैयार है। मंत्रालय के सामने एक बंगले में नया दफ्तर खुल गया। सुनील तटकरे नए प्रदेश अध्यक्ष बन गए। 2 जुलाई को अजित पवार एनसीपी के 8 विधायकों के साथ बीजेपी-शिवसेना (शिंदे गुट) साथ सरकार में शामिल हुए तो सभी हैरान रह गए। इससे भी ज्यादा हैरानी शरद पवार के खास प्रफुल्ल पटेल को अजित पवार के खेमे में देखकर हुई। कहा गया कि अजित पवार खुद को पार्टी का अध्यक्ष न बनाने से नाराज थे, इसलिए पार्टी से अलग हो गए, पर राज्यसभा सांसद प्रफुल्ल पटेल को तो शरद पवार ने कार्यकारी अध्यक्ष बनाया था। वो भी भतीजे पर तवज्जो देकर। प्रफुल्ल पटेल शरद पवार के इतने करीबी हैं, बिना उनकी मर्जी के वे ये फैसला नहीं ले सकते। हो सकता है कि इस पूरे खेल के पीछे शरद पवार ही हों। हालांकि, 3 जुलाई को शरद पवार ने प्रफुल्ल पटेल को पार्टी से निकाल दिया।

## जिनके हाथ में सत्ता वे फैला रहे अशांतिः शरद पवार

शरद पवार ने कहा कि हमने पटना, बिहार में बैठकें कीं। सत्ता जिनके हाथ में हैं उन्होंने अशांति फैलाई है। देश के प्रधानमंत्री ने कहा कि एनसीपी ने 70 हजार करोड़ का घोटाला किया है। राज्य सहकारी बैंक का प्रमाण पत्र दिया गया। प्रधानमंत्री को बिना किसी आधार के ऐसे बयान नहीं देने चाहिए। जो शिवसेना के साथ हुआ है वही एनसीपी के साथ बीजेपी करना चाहती है। गलती को सुधारना हमारा काम है, अगर अजित के मन में कोई बात थी तो मुझसे बात करनी चाहिए थी। जिन विधायकों ने अलग होने का फैसला किया, उन्होंने हमें विश्वास में नहीं लिया। अजित पवार गुट ने किसी भी प्रक्रिया का पालन नहीं किया है। प्रधानमंत्री जब बारामती आए थे तब उन्होंने कहा था कि देश कैसे चलाना चाहिए यह मैंने पवार साहब की उंगली पकड़ कर सीखा है। अगर आपने कोई गलत काम किया है तो उस गलत काम की सजा भुगतने के लिए तैयार रहना चाहिए। अगर आप एक राष्ट्रीय नेता हैं और लोगों के बीच बात कर रहे हैं तो एक प्रकार की सभ्यता और मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए। अगर आपको लगता है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी इतनी भ्रष्ट पार्टी है तो पार्टी के लोगों को सरकार में क्यों लिया गया? राजनीतिक लोग बिना आधार के इस तरह के कमेंट करते हैं।

## अजित पवार ने साफ किए इरादे, कहा-मैं महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनना चाहता हूं ताकि...

अजित पवार ने कहा कि वह महाराष्ट्र के सीएम बनना चाहता हैं ताकि जनता के कल्याण के लिए उनके पास जो योजनाएं हैं उसे लागू कर सकें। अजित पवार ने इस दौरान अपने चाचा शरद पवार का भी जिक्र किया। महाराष्ट्र में एनडीए की सरकार का हिस्सा बनने वाले अजित पवार ने 2014 में बीजेपी को मिली जीत का श्रेय पीएम नरेंद्र मोदी को दिया। अजित पवार ने कहा कि 2004 के विधानसभा चुनाव में एनसीपी के पास कांग्रेस से ज्यादा विधायक थे अगर हमने उस समय कांग्रेस को मुख्यमंत्री पद नहीं दिया होता, तो आज तक महाराष्ट्र में केवल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का ही मुख्यमंत्री होता। एक तरफ अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार को देवता बताया तो दूसरी तरफ तंज भी किया। उन्होंने बीजेपी का जिक्र करते हुए कहा कि वहां 75 साल में नेता रिटायर हो जाते हैं। अजित ने अपने चाचा की उम्र और राजनीतिक में सक्रियता पर चुटकी ली। अजित पवार ने कहा, कि आपने मुझे सबके सामने खलनायक के रूप में दिखाया। मेरे मन में अभी भी उनके (शरद पवार) लिए सम्मान है। आप मुझे बताएं, आईएएस अधिकारी 60 साल की उम्र में रिटायर हो जाते हैं, राजनीति में भी भाजपा नेता 75 साल की उम्र में रिटायर हो जाते हैंद्ध आप लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी का उदाहरण देख सकते हैं, इससे नई पीढ़ी को आगे बढ़ने का मौका मिलता है,आप (शरद पवार) हमें अपना आशीर्वाद दें,लेकिन आप 83 वर्ष के हैं, क्या आप रुकने वाले नहीं हैं? हमें अपना आशीर्वाद दें और हम प्रार्थना करेंगे कि आपकी उम्र लंबी हो।

## निशानी नहीं जाने दी जाएगी

मैं कांग्रेस में था, हमारे पास तिलक भवन था, जब हमने अलग निर्णय लिया तो हमने कांग्रेस की संपत्ति छोड़ दी लेकिन कल नासिक में क्या हुआ। मैं आपको बता दूं कि पार्टी का सिंबल कहीं नहीं जाएगा। मैंने जो पहला चुनाव लड़ा था वह बैलों की जोड़ी से लड़ा था। फिर गाय बछड़े की निशानी मिली, फिर चरखे की निशानी मिली, फिर हाथ के निशान पर लड़ाई हुई, निशानी नहीं जाएगी और न जाने दी जाएगी और कौन ले सकता है। सूत्रों के मुताबिक, भारत निर्वाचन आयोग को अजित पवार की ओर से एनसीपी और पार्टी चिह्न पर दावा करने वाली याचिका मिली है. आयोग को जयंत पाटिल से भी एक याचिका मिली है कि उन्होंने 9 विधायकों के खिलाफ अयोग्यता प्रक्रिया शुरू कर दी है। शरद पवार ने कहा, हमें रास्ते में आने वाली बाधाओं के बावजूद आगे बढ़ते रहना होगा। आपने (बीजेपी) एनसीपी को भ्रष्ट कहा तो अब एनसीपी के साथ गठबंधन क्यों किया है?। एनसीपी प्रमुख ने कहा, हमें सत्ता की भूख नहीं है, हम लोगों के लिए काम करते रहेंगे।

## मप्र में मोदी के बयान के बाद मची हलचल

मोदी ने 27 जून को भोपाल में कहा था कि मेरी गारंटी है हर घोटालेबाज पर कार्रवाई। प्रफुल्ल पटेल ने सरकार में शामिल होने का फैसला इस बयान के बाद लिया। दोनों में कनेक्शन तो दिख रहा है। वर्कर्स की मीटिंग में मोदी ने विपक्षी दलों के घोटालों का जिक्र किया था। अगर इनकी घोटालों की गारंटी है, तो मोदी की भी गारंटी है। मेरी गारंटी है- हर घोटालेबाज पर कार्रवाई की गारंटी। मोदी के ऐलान के बाद क्लियर था कि जिन लोगों पर सीबीआई, ईडी और इनकम टैक्स के मामले चल रहे हैं, उन पर कार्रवाई हो सकती है। ईडी ने 2019 में आरोप लगाया था कि प्रफुल्ल पटेल से जुड़ी एक कंपनी ने 2006-07 में मुंबई के वर्ली एरिया में सीजे हाउस नाम की बिल्डिंग बनाई थी। इसकी दो मंजिलें 2007 में दाऊद इब्राहिम के सहयोगी इकबाल मेमन उर्फ इकबाल मिर्ची की पत्नी को ट्रांसफर की गई थीं। 'मिर्ची के परिवार के मेंबर्स के खिलाफ दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग केस में पटेल को 2019-2021 के बीच तलब किया गया। जुलाई 2022 में ईडी ने सीजे हाउस की चार मंजिलें कुर्क कर ली। प्रफुल्ल पटेल ने मिर्ची के साथ किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया था। हालांकि ईडी की चार्जशीट में प्रफुल्ल पटेल को आरोपी नहीं बनाया गया है। प्रफुल्ल पटेल का घर भी इसी बिल्डिंग में है। जुलाई, 2022 में ईडी ने बिल्डिंग के 12वें से 15वां फ्लोर सील कर दिया था। इसका मालिकाना हक पटेल परिवार के पास है। कोर्ट की परमिशन से प्रफुल्ल अब भी उसी घर में रह रहे हैं। हालांकि, उन पर गिरफ्तारी का खतरा तो है। चुनाव को सिर्फ एक साल बचा है।

## जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

# न्याय प्रक्रिया आसान हो जाएगी

> देखा जाए तो अदालतों में मुकदमों के अंबार को कम करने की दिशा में भी यह बेहतर पहल साबित हो सकती है। अदालती कार्यवाही से जुड़े सभी पक्षों का समय और कानूनी खर्च बचने वाला है सो अलग। लम्बे समय से इस बात की विभिन्न मंचों पर लगातार वकालत की जाती रही है। भारतीय अदालतों में रोज लाखों मामलों की सुनवाई होती है और प्रत्येक मामले में सैकड़ों दस्तावेज संलग्न किए जाते हैं।

*भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ न्याय प्रणाली में तकनीकी का ज्यादा से ज्यादा से प्रयोग चाहते हैं। उनका मानना है इससे न्यायिक प्रक्रिया का सरलीकरण होगा और मुकदमे भी जल्द निपटेंगे। अदालतों में ऑनलाइन सुनवाई और पेपरलेस कोर्ट के सकारात्मक नतीजों को अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। इतना जरूर है कि पेपरलेस कोर्ट की अवधारणा तब ज्यादा कारगर साबित होगी जब न केवल संबंधित पक्ष तकनीकी समझ वाले होंगे बल्कि उन्हें फैसले भी उनकी भाषा में ही उपलब्ध कराए जाएंगे। इस दिशा में भी जरूरी उपाय करने होंगे। देखा जाए तो अदालतों में मुकदमों के अंबार को कम करने की दिशा में भी यह बेहतर पहल साबित हो सकती है। अदालती कार्यवाही से जुड़े सभी पक्षों का समय और कानूनी खर्च बचने वाला है सो अलग। लम्बे समय से इस बात की विभिन्न मंचों पर लगातार वकालत की जाती रही है। भारतीय अदालतों में रोज लाखों मामलों की सुनवाई होती है और प्रत्येक मामले में सैकड़ों दस्तावेज संलग्न किए जाते हैं।*

*अंदाज लगाया जा सकता है कि समूची प्रक्रिया में कितना कागज इस्तेमाल होता होगा। अदालतों को पेपरलेस करने की कवायद के तहत सुप्रीम कोर्ट में तीन पेपरलेस ग्रीन कोर्ट रूम की शुरुआत को तकनीक के बेहतर इस्तेमाल की सकारात्मक पहल ही कहा जाएगा। ऐसी पहल जहां न फाइलों का अम्बार होगा और न ही वकील व जजों को नजीरें पढने के लिए किताबों के पन्ने पलटने होंगे। तकनीक का बेहतर इस्तेमाल कैसे हो सकता है इसका साक्षात कोरोनाकाल के दौरान हमने खूब किया है। मोटे अनुमान के अनुसार कोविड प्रतिबंधों के दौरान देश भर की अदालतों ने दो करोड़ से अधिक वर्चुअल सुनवाई की थी। पिछले दिनों ही भारत के प्रधान न्यायाधीश डी.वाइ. चन्द्रचूड़ ने एक कार्यक्रम में कहा था कि कोरोनाकाल में वर्चुअल कोर्ट की व्यवस्था से कामकाज में काफी बदलाव और सुधार हुआ था। उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की थी कि कुछ राज्यों के हाईकोर्ट व अन्य कोर्ट इस व्यवस्था को हटा चुके हैं जबकि ऐसा नहीं करना चाहिए था। पेपरलेस कोर्ट की शुरुआत यों तो पहले ही हो चुकी थी। हैदराबाद में 2016 में ही देश का पहला ई-कोर्ट शुरू हो गया था। कई अन्य राज्यों में भी पेपरलेस कोर्ट कायम करने की दिशा में आंशिक ही सही, लेकिन काम जरूर हुआ है। देखा जाए तो अदालतों में मुकदमों के अंबार को कम करने की दिशा में भी यह बेहतर पहल साबित हो सकती है। अदालती कार्यवाही से जुड़े सभी पक्षों का समय और कानूनी खर्च बचने वाला है सो अलग। यह भी सही है कि डिजिटल तकनीक समूची प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने का काम भी करती है। सबसे अहम यह कि पेपरलेस सुनवाई होने पर करोड़ों कागजों की बचत होगी। इससे पेड़ों की रक्षा होगी तो पर्यावरण संरक्षण स्वत: ही हो जाएगा।*

( इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं )

# देश की एकता-अखंडता के लिए पहल जरूरी

सीमा अग्रवाल

देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए देश में राजद्रोह कानून को लागू करना बहुत जरूरी है। विधि आयोग के अध्यक्ष रितुराज अवस्थी द्वारा कही इस बात ने एक बार फिर राजद्रोह कानून की प्रासंगिकता को साबित कर दिया है। हालांकि राजद्रोह कानून के लागू होने या स्थगित किए जाने की ये चर्चा नई नहीं है। बीते साल मई में सुप्रीम कोर्ट ने राजद्रोह कानून को स्थगित कर दिया था। तब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से ब्रिटिश काल के इस कानून में संशोधन करने को कहा था। अब मई, 2023 में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए कहा कि कानून की समीक्षा प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इसे मानसून सत्र में पेश किया जा सकता है।

भारतीय समाज में न केवल भाषाई, बल्कि धार्मिक एवं जातिगत विविधता व्याप्त है। देश के तमाम क्षेत्र समय-समय पर इस कारण सांप्रदायिक दंगों में झुलसे रहते हैं। ऐसे में एक स्थायी सरकार का होना बेहद जरूरी है। राजद्रोह कानून देश में चुनी गई लोकतांत्रिक सरकार को स्थायित्व प्रदान करती है और सांप्रदायिकता के खिलाफ सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियानों को सफल बनाती है। किसी देश की वृद्धि और विकास में जितनी महती भूमिका मजबूत न्यायपालिका की है, उतनी ही जरूरी कार्यपालिका भी है। इसलिए न्यायपालिका की अवमानना करने पर दंडात्मक कार्यवाही का प्रावधान तार्किक है। राजद्रोह कानून की प्रासंगिकता को नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा जारी आंकड़ों के जरिए भी समझा जा सकता है। सितंबर, 2022 में एनसीआरबी के जारी आंकड़े देशद्रोह कानून के महत्व का समर्थन करते मिलते हैं। ब्यूरो की एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2014-2021 के बीच देश में राजद्रोह के 475 मामले दर्ज हुए हैं। इसमें से 69 मामले असम में दर्ज किए गए। वहीं हरियाणा में 42, झारखंड में 40 और जम्मू-कश्मीर में 29 राजद्रोह के मामले दर्ज किए गए हैं। ये आंकड़े इस बात की पुष्टि हैं कि देश की आंतरिक सुरक्षा को बनाए रखने के लिए राजद्रोह कानून का लागू होना एक जरूरत है। उत्तर-पूर्व राज्यों में फैले माओवाद, झारखंड और छत्तीसगढ़ में व्याप्त नक्सलवाद को नेस्तनाबूद करने के लिए राजद्रोह कानून का होना जरूरी है।

दरअसल, राजद्रोह को अपराध बनाने वाले कानून की संवैधानिकता को सुप्रीम कोर्ट में कई बार चुनौती दी गई है। जुलाई, 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने राजद्रोह के कानून के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। न्यायालय ने टिप्पणी करते हुए कहा कि आजादी के 75 साल बाद भी देश में इस कानून की जरूरत क्यों है? सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी पर विधि आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि इस कानून को केवल इस आधार पर निरस्त करना उचित नहीं होगा कि यह एक औपनिवेशी काल का कानून है। दुनिया के कई देश ऐसे कानूनों को निरस्त कर चुके हैं, जिसका खमियाजा उन्हें उठाना पड़ रहा है। ऐसा करना भारत की वर्तमान जमीनी हकीकत से आंखें मूंद लेना होगा। विधि आयोग ने यह भी कहा कि इस कानून को निरस्त करने से समाज में अराजकता बढ़ सकती है। विधि आयोग का कहना है कि महज इस तर्क पर कानून की उपयोगिता को आंका नहीं जा सकता कि अंग्रेजों के जमाने के नियम, कानून हमें उनके शोषित रवैये और हमारी परतंत्रता की याद दिलाते हैं। देखा जाए तो आज भी देश में तमाम नियम, कानून, इमारतें ऐसी हैं, जिनके नाम ब्रिटिश काल को स्मरण कराते हैं। फिर भी उनके लाभों को देखते हुए उन्हें संविधान, समाज में आज भी स्थान मिला हुआ है। यही बात राजद्रोह कानून के लिए भी सत्य है। वैश्विक पटल पर भारत की उज्ज्वलित होती छवि पड़ोसी देशों चीन, पाकिस्तान की चिंताओं को बढ़ा रही है। भारत के सीमावर्ती दोनों देश हमें कमजोर करने के लिए अलगाववादी और आतंकवादी ताकतों को पोषित कर रहे हैं। पड़ोसी देशों से सहायता प्राप्त करने वाली इन राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के दमन के लिए राजद्रोह कानून का होना जरूरी है। हालांकि कुछ लोगों के तर्क ये भी हैं कि देश में अलगाववादी और आतंकवादी गतिविधियों से निपटने के लिए यूएपीए अधिनियम व राष्ट्रीय सुरक्षा कानून हैं।

ऐसे में राजद्रोह कानून की क्या आवश्यकता है? हमें नहीं भूलना चाहिए कि अलगाववाद और आतंकवाद का जन्मदाता कहीं न कहीं राजद्रोह है। राजद्रोह कानून को समय पर लागू होने से ऐसी घटनाओं को घटने से पहले रोका जा सकता है। देश की अखंडता, एकता के साथ उसकी आंतरिक और बाह्य सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सकता है। वहीं दूसरी ओर देश के एक बड़े वर्ग में इस कानून को लेकर विरोध का भाव है। एक वर्ग का कहना है कि राजद्रोह कानून संविधान संगत नहीं है।

# सुलगते फ्रांस में समानता बंधुत्व के प्रश्न

पुष्परंजन

सवाल यह है कि प्रधानमंत्री मोदी 14 जुलाई को बैस्टिल दिवस समारोह में पेरिस जा पाते हैं या नहीं? फ्रांस हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ की चपेट में है। फ्रांस में 14 जुलाई को राष्ट्रीय समारोह होता है। मध्ययुगीन किला बैस्टिल कभी क्रुरता का प्रतीक रहा था, जिसे 1417 में जेल के रूप में इस्तेमाल किया जाने लगा था। बोरबॉन शासकों के समय राजनीतिक कैदियों को वहां रखा जाता था। बोरबॉन राजाओं का कालखंड, 1589 से 1793 और 1814 से 1830 रहा है। पेरिस के पूरब में अवस्थित प्राचीन 'बैस्टिल' का किला बोरबॉन के कठोर शासन का प्रतीक था, जिसे जनता ने नेस्तनाबूद कर दिया था। तो क्या आज का फ्रांस मध्ययुगीन बोरबॉन शासकों की तरह है?

14 जुलाई को 1789 वो तारीखी दिन है, जब फ्रांस की जनता दमनकारी सत्ता के विरुद्ध सड़कों पर उतर आई थी। हथियारों और गोला-बारूद से भरे बैस्टिल जेल पर विद्रोहियों ने कब्जा कर लिया, वहां बंद सात कैदियों को रिहा कराया। किलेनुमा बैस्टिल जेल को विद्रोहियों ने बारूद से उड़ा दिया, उसकी एक-एक ईंट यादगार के रूप में पब्लिक उठा ले गई। फ्रांसीसी क्रांति की शुरुआत और क्रुर शासन के अंत का प्रतीक बन गया बैस्टिल किला। लिबर्टी, इक्वलिटी, फ्रेटरनिटी (स्वतंत्रता-समानता और बंधुत्व) फ्रांसीसी क्रांति के गर्भ से निकले शब्द थे, जिसे 1958 के संविधान में हीरे की तरह जड़ा गया था। बैस्टिल जेल वाली जगह पर स्मृति स्तंभ की स्थापना की गई, जिसके गिर्द फव्वारे बनाये गये। आप पेरिस जाएं, तो ये स्तंभ और फव्वारे माजी की याद दिलायेंगे। मानकर चलिये कि बैस्टिल डे समारोह पर पानी फिर चुका है। मुख्य समारोह के केवल नौ दिन रह गये हैं। मालूम नहीं, 14 जुलाई को क्या होगा? भारतीय विदेश मंत्रालय भी इस विषय पर कुछ पूर्वानुमान लगाने से परहेज कर रहा है। लेकिन 14 जुलाई के समारोह में जो तैयारियां भारत की ओर से थीं, उसमें तीन राफेल युद्धक विमानों को वहां उड़ान भरने के वास्ते भेजा जाना है। फ्रांस से रणनीतिक साझेदारी का यह 25वां साल है।

इसे और तारीखी बनाने के लिए, भारतीय वायुसेना के जांबाज कलाबाजियां दिखाने के लिए तैयार बैठे हैं। मुख्य अतिथि के तौर पर प्रधानमंत्री मोदी की शिरकत के बाद के कार्यक्रमों में भारत-फ्रांस के बीच भविष्य की रणनीतिक साझेदारी तय होनी है। पेरिस स्थित भारतीय दूतावास ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, वैज्ञानिक, अकादमिक, सुरक्षा, उद्योग व आर्थिक सहकार सुनिश्चित किये जाएंगे। मंगलवार, 27 जून को पेरिस के उपनगर नांतेर में जो कुछ हुआ, गनीमत है कि संसद में उसकी लीपापोती नहीं हुई। फ्रांस की नेशनल असेंबली में पुलिस की गोली से मारे जाने वाले नाहेल के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए एक मिनट का मौन रखा गया था। पेरिस के उपनगर नांतेरे में 17 साल के किशोर नाहेल को ट्रैफिक पुलिस ने जिस बर्बरता से गोली मारी थी, उसे सही ठहराते हुए राष्ट्रपति मैक्रों ने जो दो बयान दिये थे, उसने जनाक्रोश की आग में घी का काम किया था। 27 जून, 2023 की इस घटना के अगले दिन राष्ट्रपति इमानुअल मैक्रों दो बातें बोल गये। पहला, 'ट्रैफिक पुलिस ने जो किया, सही किया।'

दूसरा, 'कुछ लोग किशोर नाहेल की मौत को आंदोलन का अस्त्र बना रहे हैं, इसे हम बर्दाश्त नहीं करेंगे।' नाहेल की हत्या के विरोध में 1350 गाड़ियां स्वाहा हो गईं, 240 इमारतें आग के हवाले कर दी गईं, आगजनी, लूटपाट की 2560 घटनाएं रविवार तक दर्ज़ हो चुकी थीं। तीन हजार से अधिक लोग उत्पात के आरोप में गिरफ्तार हैं। पेरिस, लीले, ल्यों, मर्सिले, श्ट्राशबुर्ग, ग्रीनोबेल हिंसा की चपेट में हैं। लेकिन संसद में गृहमंत्री जेराल्ड दरमेंदा ने जो वीडियो फुटेज दिखाये, वो सबको हतप्रभ कर गया। दो ट्रैफिक पुलिस वाले 17 साल के किशोर नाहेल को यातायात उल्लंघन की वजह से निशाने पर ले चुके थे। एक पुलिस वाले ने कहा, 'मार इसको।' पिस्तौल ताने दूसरे ने कहा, 'इसकी खोपड़ी में दागता हूं गोली।' संसद में जिसने भी फुटेज देखा हतप्रभ रह गया। उससे पहले शासन में बैठे लोग यही कहानी दोहराये जा रहे थे कि पुलिस ने आत्मरक्षार्थ उस उद्दंड टीनएज नाहेल पर गोली चलाई थी। यह हैरतअंगेज है कि नाहेल को जहां गोली मारी गई, उस सड़क का नाम 'नेलसन मंडेला प्लेस' है।

जिस फ्रेंच पुलिस वाले ने उत्तर अफ्रीकी मूल के मुस्लिम किशोर 'नाहेल एम' को गोली मारी है, वह फिलहाल सलाखों के पीछे है। मगर, उसे निपटाने के लिए धुर दक्षिणपंथी नेता मारीन रे-पेन के पूर्व सलाहकार ज्यों मसीहा ने 'गो फंड मी' अभियान के तहत पैसे जुटाना शुरू किया। इस क्राउड फंडिंग में सोमवार शाम तक 11 लाख डॉलर आ चुके थे। इसके विरोध में सेंटरिस्ट लेफ्ट राजनीति करने वालों को तन के खड़ा होने का अवसर मिल गया है। राष्ट्रपति मैक्रों ने एक ट्वीट में लिखा, 'ज्यों मसीहा दंगों का जेनरेटर है। उसके द्वारा जुटाये पैसों से अंगारों को और भड़काया जाएगा।' इतना तो कुबूल करना होगा कि फ्रांस में ट्रैफिक पुलिस, कानून का दुरुपयोग करती रही है। वर्ष 2023 की यह दूसरी घटना है, जब सड़क यातायात नियमों के उल्लंघन में गोली मारी गई। 2022 में ऐसी 138 घटनाएं दर्द की गई थीं, जिसमें 13 लोग मारे गये। सवाल यह है कि क्या फ्रांस की ट्रैफिक पुलिस उस देश की अदालत से ऊपर है, जिसे मौत के घाट उतारने का अधिकार मिला हुआ है? फ्रेंच पुलिस की कार्रवाइयों पर गौर करें, तो लगता है कि उसके निशाने पर उत्तर अफ्रीकी देशों से आये लोग अधिक हैं।

# छोले-भटूरे खाते-खाते हो गए हैं बोर तो घर पर बनाएं कुलचे

मजेदार, तीखा, चटपटा और स्वादिष्ट खाना किसे पसंद नहीं होता। लोग ऐसा चटाकेदार खाना खाने के लिए अक्सर बाहर जाते हैं। पर, ज्यादा बाहर का खाना खाने से तबियत खराब होने का खतरा रहता है। ऐसे में महिलाएं ये कोशिश करती हैं कि वो हर चीज घर पर ही बनाएं। छोले-भटूरे एक ऐसी डिश है, जिसे घर पर बनाना बेहद आसान है। पर, तेज गर्मी में बच्चे और बड़े भी तेल में तले हुए भटूरे खाने से पीछे हटने लगते हैं। अगर आप चाहें तो अपने घरवालों को भटूरे की बजाय इंस्टेंट कुलचे बना कर खिला सकती हैं। कुचले हर किसी को पसंद भी होते हैं और इसे बनाना भी बेह्द आसान है। ये तले हुए नहीं होते, जिस वजह से इसे गर्मी में भी खा सकते हैं।

## विधि

कुलचा बनाना बेहद आसान है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले मैदा को एक बड़े बाउल में लें। इस बाउल में दही और चीनी डालकर अच्छे से मिलाएं। इस में स्वादानुसार नमक भी डालें। जब ये सही से सेट हो जाए तो इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर मैदा गूंथ लें। इसे गूंथने के बाद आधे घंटे के लिए ढककर साइड में रख दें। आधे घंटे बाद ये सेट हो जाएगी। अब इसकी छोटी-छोटी लोई बनाकर उसे बेले लें। लोई बेलने के बाद एक तवा लें और उसमें हल्का का तेल डालकर गर्म करें। तवा गर्म होने के बाद इस पर कुलचा डालें। इसे दोनों तरफ से सेक लें। बस इसी तरह से सारी लोईयां सेक लें। आपके कुलचे तैयार हैं। इसे गर्मागर्म ही छोले के साथ परोसें। साथ में प्याज, अचार और रायता परोस कर आप इसके स्वाद को और ज्यादा बढ़ा सकती हैं।

## सामान

मैदा 400 ग्राम, 1/3 छोटी चम्मच बेकिंग सोडा, एक छोटी चम्मच चीनी, 2 चम्मच दही, नमक स्वादानुसार

# बिना ओवन के बनाएं पिज्जा

एक समय था जब बच्चे घर का सादा खाना भी काफी मन से खाते थे। इसके खिलाने के लिए उनके घर के बड़ों को जरा भी मुश्किल नहीं होती थी। पर, अब समय बदल गया है। आज के बच्चे घर का खाना खाने की बजाय बाजार का चट-पट खाना ज्यादा पसंद करते हैं। खासकर कि जब बात आती है पिज्जा की तो बच्चों को पिज्जा खाना बेहद पसंद होता है। बाजार का पिज्जा ज्यादा खाने से सेहत खराब होती है। ऐसे में महिलाएं सोचती हैं कि वो अपने घर पर ही पिज्जा बनाएं और अपने बच्चे को खिलाएं। पर, उनके सामने दिक्कत खड़ी होती है जिनके घर में ओवन नहीं है। दरअसल, बहुत सी महिलाओं को लगता है कि बिना ओवन के पिज्जा नहीं बन सकता। जबकि हकीकत अलग है। दरअसल, घर पर आप बिना ओवन के आसानी से पिज्जा बना सकती हैं। आज के इस लेख में हम आपको इसी बारे में बताने जा रहे हैं।

## सामान

मैदा- 02 कप, शिमला मिर्च- 01, बेबी कार्न- 03, पिज्जा सॉस- 1/2, मोज़रेला चीज- 1/2 कप, ऑलिव/रिफाइंड ऑयल- 02 बड़े चम्मच, शक्कर- छोटा चम्मच, यीस्ट- छोटा चम्मच, नमक- स्वादानुसार, इटेलियन मिक्स हर्ब्स- 1/2 छोटा चम्मच

## ऐसे बनाएं पिज्जा बेस

बिना ओवन के पिज्जा बनाने के लिए सबसे पहले मैदा छान लें। इसके बाद इसमें यीस्ट, ऑलिव ऑयल, हल्का सा नमक और चीनी मिलाएं। अब इसे गुनगुना पानी मिलाकर अच्छे से गूंथ लें। इस गूंथी हुई मैदा को दो घंटे के लिए ऐसे ही छोड़ दें ताकि ये सेट हो जाए। मैदे के ऊपर हल्का सा तेल जरूर लगाएं ताकि इसपर पपड़ी ना जमें। दो घंटे के बाद एक छोटी लोई लेकर इसे आधा सेमी मोटा बेल लें। एक नॉन स्टिक पैन लेकर इसे हल्का सुनहरा होने तक सेक लें। बस अब आपका पिज्जा बेस तैयार है।

## विधि

चाहें तो बेस तैयार करके साइड में रख लें। तब तक शिमला मिर्च और बेबी कॉर्न के टुकड़े कर लें। अब गैस पर तवा गर्म करें और सभी सब्जियों को अच्छे से भून लें। इसे तब तक भूनें जब तक ये नरम ना हो जाएं। सब्जियां तैयार होने के बाद इसे गैस से उतार लें। अब पिज्जा बेस पर पिज्जा सॉस की पतली लेयर लगाएं और इसके ऊपर सब्जी की पतली लेयर लगाएं। इसके ऊपर से चीज घिस कर डाल दें। गैस तो एक दम कम ताप पर ही रखें। जब चीज पिघल जाए और बेस हल्का सुनहरा हो जाए तो इसे तवे से उतार लें। इसके ऊपर हर्ब्स डालकर इसे गर्मागर्म ही परोसें।

# हंसना मना है

परीक्षा में लड़की ने बगल वाली सीट पर बैठे लड़के से पूछा कि यमक अलंकार की परिभाषा बताओ एक उदाहरण के साथ, लड़के ने बोला- जब एक ही शब्द दो बार आवे और दोनों शब्दों का अर्थ भिन्न भिन्न हो तो उसे यमक अलंकार कहते हैं, जैसे- तुम रूठा ना करो, मेरी जान! मेरी जान निकल जाती है। लड़के को नोबल पुरस्कार देने पर विचार किया जा रहा है?

मेवालाल ने चार लोगों को कार से दबा दिया, जज -तुमने तो शराब पी नही थी तो फिर ऐसा क्यों किया? मेवालाल-जज साहब मेरे एयरटेल वालों ने कहा था कि इस गाने के लिए चार दबाये।

मेवालाल किरायेदार को घर दिखाकर लौट रहे थे, रास्ते में एक मरियल सा आदमी दिखा, किरायेदार- वाह साहब अभी तो आप बोल रहे थे कि यहां की वातावरण बहुत अच्छी है, यहां कोई बीमार नहीं होता तो ये ऐसा क्यों है, मेवालाल-अरे बेटा ये तो इस इलाके का डॉक्टर है जो भुखा तड़प रहा है।

एक महिला मॉल से बिस्कुट चुराते हुए पकड़ी गई, जज ने कहा- तुम ने जो बिस्कुट का पैकेट चुराया, उसमें 10 बिस्कुट थे, इसलिए तुम्हे 10 दिन की जेल की सजा दी जाती है। तभी पति पीछे से चिल्लाया-जज साहब, इस ने साबूदाने का पैकेट भी चुराया है।

# कहानी: पड़ोसन का बर्तन

एक बार की बात है एक गांव में दो औरतें रहती थीं दोनों एक दूसरे की पड़ोसन थीं। एक बार एक औरत ने अपनी पड़ोसन से एक बर्तन उधार मांगा और दूसरे दिन उसने एक अन्य छोटे से बर्तन के साथ वह बर्तन वापस कर दिया। पड़ोसन को यह देखकर आश्चर्य हुआ उसने अपनी पड़ोसन से पूछा कि वह छोटा बर्तन कहां से आया? औरत ने जवाब दिया- तुम्हारे बड़े बर्तन ने छोटे बर्तन को जन्म दिया है। यह सुनकर पड़ोसन का दिमाग घूम गया कि यह कैसे हो गया लेकिन उसने उसे कुछ नहीं कहा। क्योंकि वह एक और बर्तन पाकर बहुत खुश थी। कुछ दिनों बाद पड़ोसन बर्तन फिर उधर मांगने आई। मगर इस बार उसने बर्तन अपनी पड़ोसन को वापस नहीं किया। पहली पड़ोसन ने अपनी पड़ोसन के बर्तन वापस मांगने पर उसने कहा - बर्तन! तुम्हारा बर्तन मर गया है। पड़ोसन ने हंसकर उससे पूछा कि बर्तन कैसे मर सकता है? इस पर उस औरत ने बड़ी चतुराई से कहा- अगर तुम्हारा बर्तन, दूसरे बर्तन को जन्म दे सकता है तो, मर भी सकता है। यह सुनकर पड़ोसन दंग रह गई। मगर अब उस पड़ोसन के पास बर्तन को खो देने के अलावा कोई दूसरा चुनाव नहीं था।

**कहानी से सीख**-अनेकों बार हम छोटे से लाभ के लिए अपने आप को मुसीबतों में डाल लेते हैं। अत: हमें तात्कालिक लाभ नहीं देखते हुए किसी विषय पर विस्तार पूर्वक सोचना चाहिए, कि क्या गलत है और क्या सही या।

# 7 अंतर खोजें

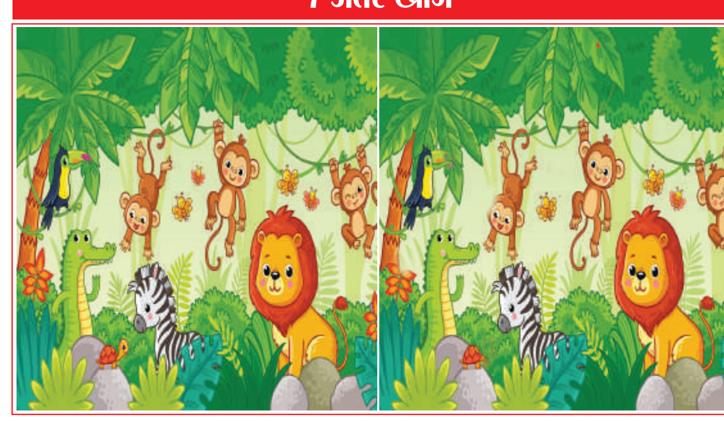

# जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष** — आज आपको उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। उच्च अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। आर्थिक मामले में वृद्धि का योग बन रहा है।

**तुला** — कार्यालय से जुड़े कार्य के लिए प्रवास के योग हैं। किसी भी कार्य को करने की क्षमता अच्छी रहेगी। इस कारण आप पूर्ण ज़िम्मेदारी के साथ अपने कार्यों को कर सकेंगे।

**वृषभ** — आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आपका मन सामाजिक कार्यों की तरफ रहेगा। शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े छात्रों को बेहतर परिणाम हासिल होंगे।

**वृश्चिक** — आज आपका दिन शानदार रहेगा। शाम तक आपके घर में खुशी का माहौल बनेगा। साथ ही रिश्तेदारों का घर पर आना-जाना लगा रहेगा।

**मिथुन** — नौकरीपेशा जातकों के लिए समय अनुकूल नही है। अज्ञात के साथ व्यवहार करते समय सावधान रहें। संचारी बनें और खुद को आराम देने के लिए कुछ समय निकालें।

**धनु** — आज खुशियों के साथ दिन की शुरूआत हो सकती है। नौकरीपेशा जातकों को तरक्की मिल सकती है। व्यापारी एवं व्यवसायियों के लिए व्यापार में बेहतरी के संकेत हैं।

**कर्क** — किसी भी योजना या परियोजना में पैसा लेने से पहले, उन परियोजनाओं का पूरा विवरण जानना बहुत आवश्यक है। धार्मिक कार्यों में रुचि लेंगे।

**मकर** — आज आपके खर्चों में बढ़ोतरी होगी। इस कारण कुछ तनाव भी रह सकता है। आपको कुछ अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। समाज में मान-सम्मान मिलेगा।

**सिंह** — आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप दोस्तों के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग बना सकते हैं। हालांकि आपकी आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव रहेगा।

**कुम्भ** — आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। अपनी काबिलियत से काम को सरलतापूर्वक पूरा कर लेंगे। धन लाभ में काफी इजाफा होगा। दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य उत्तम रहेगा।

**कन्या** — आपको अधिकारियों से पूर्ण सहयोग मिलेगा और आमदनी, व्यापार और अन्य उपक्रमों से काफी वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन में भाई-बहनों के साथ कुछ तनाव उत्पन्न हो सकता है।

**मीन** — काम में आने वाली सामान्य कठिनाइयों के बारे में ज्यादा चिंता किए बिना अपनी सामान्य गति से चलते रहें। थोड़ा सा चतुर होना आपके लिए बेहतर परिणाम दे सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

# लीड रोल के लिए मैंने फाड़ दिया था स्मृति ईरानी का कांट्रैक्ट लेकर: एकता कपूर

टीवी क्वीन एकता कपूर ने शेयर किया कि उन्होंने टीवी सीरियल क्योंकि सास भी कभी बहू थी की लीड एक्ट्रेस स्मृति ईरानी का कॉन्ट्रैक्ट फाड़ दिया था। एकता क्योंकि सास भी कभी बहू थी शो के 23 साल पूरे होने का जश्न मना रही हैं। एकता कपूर ने इंस्टाग्राम पर शो के टाइटल ट्रैक को शेयर किया और कैप्शन में लिखा, साल 1994, मैं अपनी दोस्त शबीना के घर में बैठी हुई थी और पंडित जनार्दन ने मुझे वहां देखा और मुझसे कहा कि मेरी अपनी खुद की कंपनी होगी। मैंने उन्हें बताया कि मैं अगस्त में अपनी कंपनी शुरू करने की सोच रही हूं। उन्होंने मुझसे कहा सब अच्छा होगा, लेकिन मैं अपने 25वें साल का इंतजार करूं, क्योंकि तब मैं एक ऐसा शो बनाऊंगी, जिसे लोग इस तरह देखेंगे जैसे रामायण और महाभारत को दूरदर्शन पर देखा करते थे। मैंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मैं एक पौराणिक शो को इतना अच्छा बना सकती हूं, लेकिन चलो देखते हैं। साल 2000 में हम पांच को छह साल हो चुके थे और मैं समीर सर से मुझे एक नाटक देने के लिए कह रही थी। मेरा साउथ इंडियन ड्रामा अच्छा चल रहा था और मैं चाहती थी कि उसे हिंदी चैनल पर भी दिखाया जाना चाहिए। उन्होंने हां कह दिया। एकता ने आगे लिखा, उसी साल मार्च 2000 में मैंने एक अहम किरदार के लिए एक नई लड़की को कास्ट किया, लेकिन टेप पर उसे देखने के बाद मैंने उसका कॉन्ट्रैक्ट फाड़ दिया था ताकि मैं उसे लीड रोल में साइन कर सकूं। ये लड़की कोई और नहीं स्मृति ईरानी थीं।

# एक्टिंग से ब्रेक लेंगी सामंथा रुथ प्रभु

बॉलीवुड | गपशप

साउथ की क्वीन सामंथआ रुथ प्रभु पुष्पा में अपने आइटम नंबर के बाद से हर जगह छा गई हैं। सामंथा ने इस गाने के बाद से अपनी इमेज काफी बदल ली है। उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है लेकिन बीते कुछ वक्त से उनकी कोई भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं दिखा पा रही है। जिसकी वजह से उनके फैंस भी नाराज हो रहे हैं। अब सामंथा ने एक्टिंग से लंबा ब्रेक लेने का फैसला लिया है। जी हां सिटाडेल और खुशी उनके ब्रेक पर जाने से पहले दो आखिरी प्रोजेक्ट होने वाले हैं। सामंथा बीते एक साल से अपनी पर्सनल प्रॉब्लम के साथ हेल्थ इश्यू से जूझ रही हैं। इन सब चीजों से जूझने के बाद भी सामंथा अपने काम से पीछे नहीं हट रही थीं। वह अपने सारे असाइनमेंट पूरे कर रही थीं। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक सामंथा अब करीब एक साल का ब्रेक लेने वाली हैं। जिसमें वह अपनी हेल्थ का खास ध्यान रखेंगी। साथ ही मायोसिटिस का इलाज भी करवाएंगी। रिपोर्ट के मुताबिक सामंथा का कोई भी नई बॉलीवुड या साउथ की फिल्म साइन करने का प्लान नहीं है। इतना ही नहीं जिन प्रोजेक्ट्स पर वह खुशी के बाद काम करने वाली थीं उनकी एडवांस पेमेंट भी उन्होंने प्रोड्यूसर्स को लौटा दी है। सिटाडेल इंडिया की वरुण धवन के साथ सर्बिया में शूटिंग करने के बाद सामंथा इन दिनों विजय देवरकोंडा के साथ खुशी की शूटिंग कर रही हैं। फिल्म की शूटिंग 2-3 दिन में पूरी हो जाएगी। जिसके बाद सैम ने एक साल का एक्टिंग से ब्रेक लेने का फैसला लिया है ताकि वह अपनी हेल्थ पर फोकस कर सकें। बता दें सामंथा आखिरी बार फिल्म शाकुंतलम में नजर आईं थीं। इस फिल्म से फैंस को काफी उम्मीदें थीं मगर ये उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई।

# आयुष्मान खुराना का नया सॉन्ग रातां कालियां हुआ रिलीज

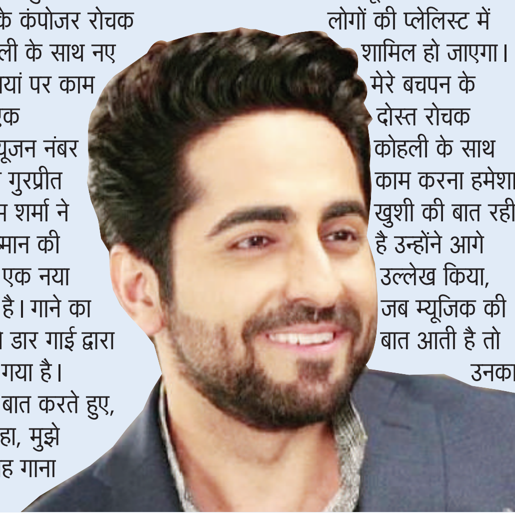

आयुष्मान खुराना ने पानी दा रंग के कंपोजर रोचक कोहली के साथ नए ट्रैक रातां कालियां पर काम किया है। यह एक पंजाबी-पॉप फ्यूजन नंबर है, जिसके बोल गुरप्रीत सैनी और गौतम शर्मा ने लिखे हैं। आयुष्मान की आवाज़ ट्रैक में एक नया आयाम जोड़ती है। गाने का म्यूजिक वीडियो डार गाई द्वारा निर्देशित किया गया है। गाने के बारे में बात करते हुए, आयुष्मान ने कहा, मुझे उम्मीद है कि यह गाना लोगों के दिलों को छू जाएगा और लोगों की प्लेलिस्ट में शामिल हो जाएगा। मेरे बचपन के दोस्त रोचक कोहली के साथ काम करना हमेशा खुशी की बात रही है उन्होंने आगे उल्लेख किया, जब म्यूजिक की बात आती है तो उनका नाम सबसे पहले दिमाग में आता है। वह बेहद भावुक और बहुमुखी हैं। उन्होंने इस कम्पोजीशन में खूब मेहनत की है। मैं हमारी डिस्कोग्राफी में एक और स्पेशल सॉन्ग जोड़ने के लिए एक बार फिर उनके साथ सहयोग करने के लिए रोमांचित हूं। लिरिसिस्ट गुरप्रीत सैनी ने साझा किया कि टीम एक ऐसा सॉन्ग बनाना चाहती थी, जो जुदाई के दर्द का अनुभव करने वाले हर किसी को पसंद आए। गीतकार गौतम शर्मा ने कहा, रातां कालियां एक खूबसूरत धुन है और मुझे उम्मीद है कि श्रोता वही भावनाएं महसूस करेंगे जो टीम ने डालने की कोशिश की है और गाने के साथ गहराई से जुड़ेंगे। टी-सीरीज़ द्वारा निर्मित, रातां कालियां गाना टी-सीरीज़ के यूट्यूब चैनल पर स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध है।

अजब-गजब | इस गड्ढे के अंदर से निकली हैरान करने वाली चीज

# इंसानों ने खोदा दुनिया का सबसे बड़ा गड्ढा, 20 साल में हुआ तैयार

स्वर्ग और नर्क का कांसेप्ट आपने जरूर सुना होगा। कुछ लोगों का कहना है कि जब इंसान के कर्म अच्छे होते हैं तो वो मौत के बाद स्वर्ग जाता है। वहां उसके स्वागत में अप्सराएं होती हैं। अच्छा खाना और अच्छी जिंदगी के साथ इंसान स्वर्ग में ऐश करता है। लेकिन अगर इंसान ने बुरे कर्म किये हैं, तो उसकी लाइफ खत्म होने के बाद नर्क में एंट्री होती है। नर्क में जलती आग में इंसान की आत्मा को झोंक दिया जाता है। हालांकि, किसी जीवित ने आजतक स्वर्ग या नर्क को देखा नहीं है।

अब इंसान ने नर्क के द्वार को खुद ही बना डाला है। जी हां, पिछले बीस सालों से कई वैज्ञानिक इस द्वार को तैयार कर रहे थे। अब जाकर नर्क का द्वार बन गया है। धरती से चालीस हजार फीट नीचे इस द्वार को कई मजदूरों ने खोद कर बनाया है। जी हां, धरती के सबसे गहरे छेद को ही नर्क का द्वार बताया जा रहा है। रुस के द कोला सुपरडीप बोरहोल को कई लोगों ने नर्क का द्वार बताया। ये चालीस हजार फीट नीचे है। इसे रुस ने साइंस के नाम पर बनाया है। एक्सपर्ट्स ने इस गहरे

गड्ढे की खुदाई धरती के इतने नीचे के रहस्य को जानने के लिए करवाई है। इस गड्ढे की खुदाई आज से नहीं चल रही थी। सत्तर के दशक में ही इसकी शुरुआत हो गई थी। दो दशक के बाद इस छेद को 12 हजार दो सौ मीटर गहरा खोद दिया गया। 1992 में इस गड्ढे की खुदाई को रोक दिया गया था। अंदर का तापमान 180 डिग्री सेल्सियस चला गया था। जिसे साइंटिस्ट्स ने बेहद गर्म बताया। साथ ही इस बात का भी अंदेशा लगाया कि और गहरे गड्ढे में तापमान और भी ज्यादा होता जाएगा। अब इतनी गहराई में खुदाई हो जाने के बाद अंदर का एक 17 सेकंड का वीडियो जारी किया गया है। अंदर से अजीबोगरीब आवाज रिकॉर्ड की गई है। साथ ही अन्य चीजों को रिकॉर्ड करने के लिए हीट रेजिस्टेंट माइक्रोफोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। अभी साइंटिस्ट्स इस छेद को और गहरा करना चाहते हैं। लेकिन इसके लिए जरुरी सामान का हीट रेजिस्टेंट होना जरुरी है। अभी तक जितनी खुदाई हुई है, उसमें करीब 24 तरह के कई सालों पुराने मरे सिंगल सेल के ऑरगनिज्म मिले हैं। इसके अलावा 2.7 बिलियन साल पुराने पत्थर भी मिले हैं। साइंटिस्ट्स लगातार इस गड्ढे में छिपे और राज ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं। जल्द ही कोई बड़ा नया खुलासा हो सकता है।

# ग्रीक गॉडेस ऑफ लव: इस गार्डन में जाते ही रोमांटिक होने लगते हैं लोग

दुनिया में कई खूबसूरत गार्डन हैं जिनकी खूबसूरती लोगों को अपनी ओर खींचती है। इनकी अलग-अलग उद्देश्य के लिए अलग-अलग थीम होती है। लेकिन फ्रांस में एक महिला ने एक अनोखा गार्डन बनाया है, जिसकी खासियत जानकर आप हैरान रह जाएंगे। इस गार्डन का नाम ग्रीक गॉडेस ऑफ लव के नाम पर है। सबसे खास बात है कि इस गार्डन में जाते ही किसी भी शख्स के मन में रोमांस का ख्याल आने लगता है। इसमें जाने के बाद अनरोमांटिक शख्स भी रोमांटिक होने लगता है। महिला ने इरोटिक गार्डन को इस मकसद से बनाया है कि लोगों की फीलिंग को बेडरुम से बाहर लाया जा सके। महिला अपने मकसद में सफल हो गई है। महिला ने इस गार्डन का नाम एफ्रोडाइट रखा है, जो ग्रीक गॉडेस ऑफ लव, ब्यूटी एंड प्लेजर के नाम पर है। इस गार्डन में काफी मादक खुशबुओं वाले फूलों को लगाया गया है। इसके अंदर महिला कई सिंबल्स भी लगाए हैं, जो कामुकता को बढ़ाने वाले हैं। महिला ने रोमांस के मकसद से इस गार्डन को बनाया है। एफ्रोडाइट गार्डन में वैज्ञानिक तौर पर रोमांस की अनुभूति को बढ़ाने वाले कई पौधे और फूल लगाए गए हैं। इस तरह के कई सारे पौधे लगाने से गार्डन में रोमांटिक माहौल बन जाता है। इस खूबसूरत गार्डन को सोफी कनिटल नाम की डिजाइनर महिला ने तैयार किया है। इस गार्डन में फिग, अनार के पेड़, कई तरह की लतर, लैवेंडर, जैस्मिन, ओपियम पॉप्पीइस, कैटनिप जैसे पौधों को लगाया गया है। महिला का कहना है कि लोग सोचते हैं कि गार्डनिंग करना एक उबाऊ काम है, लेकिन आप इस गार्डन के अंदर जाएंगे, तो आप महसूस करेंगे कि कुछ गार्डन आपको रोमांटिक बना देते हैं। सिर्फ फूल के लिए गार्डन नहीं होते हैं। यह आपका मन तरोताजा कर देते हैं। इस गार्डन में रोमांस से जुड़े हर पौधे लगाए गए हैं। इसमें कई फूल हैं, जिनका संबंध रोमांस से है। सोफी ने इस तरह के फूलों को चुनकर गार्डन में लगाया है। इस गार्डन में लोग रोमांस के लिए आते हैं।

# मध्य प्रदेश में चल रही हैं दो सरकारें : कांग्रेस

## सीएम शिवराज-भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का कोल्ड वॉर सामने आया, एमपी पेशाब कांड के बाद सियासत गरमाई, भाजपा ने चार सदस्यीय जांच समिति बनाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के सीधी में आदिवासी युवक पर पेशाब करने के मामले में सियासत गरमा गई है। कांग्रेस के सरकार पर आदिवासी विरोधी होने के आरोप के बाद अब भाजपा ने भी चार सदस्यीय जांच समिति बना दी है। इस पर कांग्रेस ने सवाल खड़े करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज के सामने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा समांतर सरकार चला रहे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अरुण यादव बोले शिवराज सरकार के सामने भाजपा संगठन पैरेलल सरकार चला रहा है।

शिवराज सिंह – वीडी शर्मा की कोल्ड वार खुलकर सामने आ गई है। यादव ने कहा कि क्या मध्यप्रदेश में शिवराज के सामने वीडी शर्मा समांतर सरकार चला रहे हैं।

क्या अब भाजपा संगठन को ही सरकार पर भरोसा नहीं है ? क्योंकि यह जांच कमेटी का गठन तो यही बता रहा है, जब वीडी शर्मा जी को ही प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज जी पर भरोसा नहीं है तो आमजन क्या भरोसा करेगा। भाजपा संगठन और सरकार की कोल्ड वॉर अब खुलकर सबके सामने आ गई है।

### एक वर्ग के खिलाफ बोलने से क्यों बचती है कांग्रेस : वीडी शर्मा

वीडी शर्मा ने कहा कि शिवपुरी जिले के नरवर तहसील में हुई अमानवीय घटना अत्यंत दुर्भाग्यजनक है। घटना में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने जाटव और केवट समाज के युवकों से झूठे आरोप में बेरहमी से मारपीट की। दुखद घटना पर तुष्टीकरण की राजनीति करने वाली कांग्रेस अब मौन क्यों है ? शर्मा ने घटना की की आलोचना करते हुए कहा कि मुस्लिमों की भीड़ ने दलित युवकों पर झूठा आरोप लगाकर जिस प्रकार से घटना की है, वो जांच में साफ हो गया कि इस प्रकार के कोई घटना हुई ही नहीं। उसके बावजूद झूठी घटना पर दलित युवकों के साथ घटना जिस प्रकार से मुस्लिम युवकों ने की है यह बड़े दुर्भाग्य का विषय है। अगर कोई मुस्लिम इस प्रकार के अपराधी हमारे दलित भाई या बहन के साथ घटना करते हैं तो कांग्रेस के मुंह पर ताले लग जाते है क्योकि कांग्रेस वोट बैंक की राजनीति करती है।

### भाजपा को ही अपनी सरकार पर विश्वास नहीं

केके इस मामले में कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने कहा कि भाजपा ने जांच समिति बनाकर उसको अपनी ही सरकार और प्रशासन पर विश्वास नहीं है। जब भाजपा को ही अपनी सरकार पर विश्वास नहीं है तो कांग्रेस और जनता क्यों करें। जहां तक किसी मामले का सवाल है तो क्या कांग्रेस बोलेगी तब कार्रवाई होगी। कोई भी दोषी हो उस पर सख्त कार्रवाई हो। हम दोषियों पर कार्रवाई के पक्षधर है।

## पीड़ित को सुदामा कहकर सीएम ने धोए पैर

भोपाल। गुरुवार को पीड़ित दशमत रावत भोपाल मुख्यमंत्री निवास पहुंचे। यहां सीएम शिवराज ने दशमत के पैर धोकर और शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। सीएम शिवराज ने कहा कि मन दुखी है। मेरे लिए जनता ही भगवान है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पीड़ित से बात की। सीएम ने पूछा कि बच्चे पढ़ रहे हैं? छात्रवृत्ति मिलती है? कोई परेशानी हो तो मुझे बताना है। बेटी लाडली लक्ष्मी है। पत्नी को लाडली बहना का लाभ मिल रहा है? आवास योजना का लाभ मिल रहा है? सीएम ने कहा कि बेटी को पढ़ाना है। बेटियां आगे बढ़ रही हैं। दशमत ने सीएम को बताया कि वह पल्लेदारी का काम करता है। मुख्यमंत्री ने पीड़ित से कहा कि मुझे बहुत दुख हुआ। मैं माफी चाहता हूं। मेरे लिए जनता ही भगवान समान है। सीएम ने दशमत को सुदामा कहते हुए कहा कि तुम अब मेरे दोस्त हो।

### रामलाल रौतेल की टीम करेगी जांच

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने राज्य कोल जनताति विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रामलाल रौतेल के संयोजकत्व में चार सदस्यीय समिति गठित की है। जिसमें शरद कोल विधायक, अमर सिंह विधायक और कांतिदेव सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा शामिल है। यह समिति संपूर्ण तथ्यों की जांच कर प्रतिवेदन रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगी। वीडी शर्मा शर्मा ने कहा कि सीधी की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसे कृत्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जांच समिति मौके पर जाकर जांच करेगी और अपनी रिपोर्ट संगठन को देगी। उन्होंने कहा कि सीधी का आरोपी भाजपा का सदस्य नहीं है।

फोटो : 4पीएम

**जयंती** डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माल्यार्पण किया, इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, स्वतंत्र देव सिंह आदि मौजूद रहे।

# पश्चिम यूपी में बारिश ने थामी रफ्तार एनसीआर में जलजमाव बनी आफत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली-नोएडा और गाजियाबाद में तेज बारिश हो रही है। बारिश की वजह से ट्रैफिक की रफ्तार धीमी हो गई है। दिल्ली-एनसीआर में सुबह के वक्त लोग ऑफिस जाने के लिए घरों से निकल रहे हैं, लेकिन बारिश की वजह से सभी को परेशानी हो रही है।

मौसम विभाग के अनुसार, लोनी देहात, हिंडन एएफ स्टेशन, गाजियाबाद, इंदिरापुरम, छपरौला, नोएडा और दादरी में बारिश हो रही है। इसके अलावा हरियाणा के सोनीपत, खरखौदा, यूपी के बड़ौत, बागपत, मेरठ, खेकड़ा, मोदीनगर, किठौर,

पिलखुवा, हापुड़ में भी बारिश हो रही है। गाजियाबाद और नोएडा में तेज बारिश की वजह से सड़कों पर पानी भर गया है। लोगों को उमस से भी राहत मिली गई है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर के इलाकों में अगले पांच दिन तक बारिश की संभावना है। नोएडा में बिजली ने किया परेशानदोपहर अचानक हुई बारिश से एक बार फिर कई इलाकों में बिजली कटौती की मार झेलनी पड़ी। कई सेक्टरों में करीब दो से ढाई घंटे कटौती का सामना करना पड़ा। कुछ स्थानों पर एबी केबल जलने की भी शिकायतें मिली। वहीं कुछ स्थानों पर तकनीकी खामियों के कारण बत्ती गुल हो गई। इसके अलावा देहात क्षेत्र में भी बिजली कटौती ने लोगों को खूब रुलाया। येलो अलर्ट जारी दिल्ली-एनसीआर के इलाकों में अगले पांच दिन तक रुक-रुक के बारिश होने की संभावना है।

# टी-20 टीम में तिलक वर्मा नया चेहरा

## वेस्टइंडीज के खिलाफ टीम में रिंकू को नहीं मिली जगह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारत के प्रतिभाशाली बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा को भारतीय टीम में चुन लिया गया है, लेकिन उसी टूर्नामेंट में अकेले अपने दम पर कई मैच जिताने वाले रिंकू सिंह को तीन अगस्त से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैच टी-20 सीरीज में जगह नहीं मिली है। कोलकाता नाइटराइडर्स के बाएं हाथ के बल्लेबाज रिंकू सिंह शायद इसलिए भी टीम में जगह नहीं बना सके क्योंकि सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या और संजू सैमसन भी मिडिल ऑर्डर में खेलेंगे। ऐसे में इन्हीं स्थानों पर किसी को रखना मुमकिन नहीं है। अब सोशल मीडिया पर जस्टिस फॉर रिंकू सिंह ट्रेंड होने लगा है।

साल 2017 में आईपीएल डेब्यू करने वाले रिंकू ने साल 2023 के 14 मैच में 59.25 की औसत से 474 रन बनाए, जिसमें छह बार नॉटआउट रहते हुए उन्होंने चार अर्धशतक लगाए। एक ओवर में लगातार पांच छक्के मारकर गुजरात टाइटंस के जबड़े से जीत छीनने वाली पारी भला कौन भूल सकता है। यूपी से डोमेस्टिक क्रिकेट खेलने वाले रिंकू फिलहाल दलीप ट्रॉफी में सेंट्रल

जोन की ओर से दम दिखा रहे हैं। विकेट पर समय गुजारने और तेज गति से मैच फिनिश करने की क्षमता उन्हें एक दिन जरूर टीम इंडिया तक पहुंचाएगी।

### रोहित शर्मा और विराट कोहली को दिया आराम

इसके अलावा सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली को एक बार फिर टीम में शामिल नहीं किया गया है, जिससे संकेत मिलता है कि खेल के छोटे प्रारूप से उन्हें धीरे-धीरे बाहर किया जा रहा है। वहीं तेज गेंदबाज आवेश खान और लेग स्पिनर रवि बिश्नोई दो खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी की है। टीम में तीन कलाई के स्पिनर हैं जिसमें कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल भी 15 सदस्यीय टीम का हिस्सा हैं। भारत की टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम इस प्रकार है: ईशान किशन (विकेटकीपर), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (उप कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या (कप्तान), अक्षर पटेल, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, उमरान मलिक, आवेश खान और मुकेश कुमार।

फोटो: सुमित कुमार

**नियुक्ति पत्र वितरण** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा चयनित 217 उपनिरीक्षक (गोपनीय) 587 सहायक उपनिरीक्षक (लिपिक) एवं 344 सहायक उपनिरीक्षक (लेखा) (कुल 1,148) को नियुक्ति पत्र वितरित किया। इस मौके पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना के अलावा पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे। *(4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)*

# फिर सामने आया यूपी पुलिस का शर्मनाक चेहरा

## पुलिस से भागते समय नहर में गिरकर युवक की मौत

### » परिजनों ने लगाया पुलिसकर्मियों पर पीटने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। योगी पुलिस एक और करतूत ने सबको शर्मसार कर दिया है। उत्तर प्रदेश पुलिस पर एक युवक की पिटाई करने का आरोप लगा है। मामला बाराबंकी जिले के सुबेहा थाना क्षेत्र के महुआतारे निवासी राजेश कुमार एक गैर इरादतन हत्या के मामले में वांछित था।

वह बुधवार को अमेठी स्थित कमरौली थाना क्षेत्र के पलिया पश्चिम में ससुराल आया था। इसकी जानकारी होने के बाद बृहस्पतिवार की सुबह सुबेहा थाने की पुलिस वहां पहुंच गई। गैर इरादतन हत्या के मामले में पुलिस की दबिश के दौरान भागते समय आरोपी नहर में गिर गया। इससे उसकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

**दो जिलों की पुलिस मौके पर पहुंची**

वहीं परिजनों ने पुलिस पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने उसके ससुराल में पूछताछ की तो पता चला कि वह शौच के लिए गया हुआ है। इस पर पुलिस ने नहर पुलिया के पास पहुंचकर उसे पकड़ने के लिए दौड़ाया। भागते समय वह कुछ दूरी पर नहर के पानी में गिर कर बेहोश हो गया उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जगदीशपुर में इलाज के लिए लाया गया। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सीओ हैदरगढ़ जेएन अस्थाना ने इसकी पुष्टि की है। घटना की जानकारी होते ही दो जिलों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। अस्पताल परिसर में पुलिस तैनात कर दी गई है। ससुरालीजनों ने पुलिस पर पिटाई का आरोप लगाया है। फिलहाल, अभी कोई लिखित तहरीर पुलिस को नहीं दी गई है।

# 'इस बार राजस्थान में बदलेगा इतिहास'

### » प्रदेश के नेताओं की दिल्ली में बैठक में बोले राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। दिल्ली कांग्रेस कार्यालय में राजस्थान कांग्रेस नेताओं की बैठक शुरू हो गई। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी बैठक में मौजूद हैं। बैठक में प्रदेश के चुनाव और गहलोत-पायलट विवाद को लेकर चर्चा की जाएगी। बैठक के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ट्वीट कर कहा- जन-सेवा, राहत और सबका उत्थान, प्रगति के पथ पर बढ़ता राजस्थान। कांग्रेस पार्टी ने राजस्थान में समावेशी विकास एवं जन-कल्याण की योजनाओं को घर घर पहुंचाया है।

पार्टी एकजुट होकर आगामी चुनाव में जनता के बीच जाएगी। राजस्थान का हर वर्ग किसान, खेत-मजदूर, युवा, महिलाएं और समाज का हर एक वर्ग कांग्रेस पार्टी में अपनी आस्था व्यक्त कर रहा है। हम सब की आकांक्षाओं का ख्याल रखेंगे। राजस्थान का वर्तमान और भविष्य दोनों कांग्रेस के हाथों में सुरक्षित है। इस बार इतिहास बदलेगा। जन-सेवा, राहत और सबका उत्थान,प्रगति के पथ पर बढ़ता राजस्थान। कांग्रेस पार्टी ने राजस्थान में समावेशी विकास एवं जन-कल्याण की योजनाओं को घर घर पहुँचाया है। पार्टी एकजुट होकर आगामी चुनाव में जनता के बीच जाएगी। बैठक में पीएचईडी मंत्री महेश जोशी और राजस्थान पर्यटन विकास निगम के चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ दिखाई नहीं दिए। यूडीएच और संसदीय कार्य मंत्री धारीवाल के साथ इन दोनों पर 25 सितंबर 2022 को कांग्रेस हाईकमान की ओर से तय विधायक दल की बैठक के पैरेलल विधायकों की बैठक बुलाने, कांग्रेस विधायकों के इस्तीफे करवाने और अनुशासन हीनता करने के आरोप हैं।

**गहलोत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े**

पैर में चोट लगने के कारण सीएम अशोक गहलोत बेड रेस्ट पर हैं। वे जयपुर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक में जुड़े हैं। दिल्ली-राजस्थान में होने वाले चुनाव की तैयारियों पर चर्चा के लिए कांग्रेस मुख्यालय में बैठक हो रही है। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, सचिन पायलट, केसी वेणुगोपाल सहित अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित हैं। बैठक शुरू होने से पहले कुछ देर के लिए मीडियाकर्मियों को फोटो और वीडियो के लिए एंट्री दी गई थी। इस दौरान राहुल गांधी ने मीडियाकर्मियों से मुस्कराते हुए कहा कि बैठक में गहलोतजी भी जुड़े हैं, लैपटॉप में उन्हें भी दिखा दीजिए। इस पर नेताओं ने कहा की बड़ी स्क्रीन लगी है उस पर भी देख सकते हैं।

# विजयन पर आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में कांग्रेस नेता पर केस दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के सचिव विश्वनाथ पेरुमल द्वारा मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के खिलाफ टिप्पणी करने के मामले दर्ज किया गया है। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी है। सीपीआई (एम) के एक स्थानीय नेता की शिकायत पर कांग्रेस नेता पेरुमल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

बता दें कि कांग्रेस पार्टी ने हाल ही में केरल की पिनाराई विजयन सरकार के खिलाफ कन्नूर में प्रदर्शन मार्च आयोजित किया था। इसी प्रदर्शन के दौरान बोलते हुए कांग्रेस नेता विश्वनाथन पेरुमल ने सीएम के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी थी। पेरुमल ने यह टिप्पणी सोना तस्करी मामले की मुख्य आरोपी स्वपना सुरेश के सीएम विजयन के साथ कथित संबंधों को लेकर की थी।

# मणिपुर में 10 जुलाई तक बढ़ाया गया इंटरनेट सेवाओं पर लगा प्रतिबंध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर सरकार ने कहा कि उसने शांति और सार्वजनिक व्यवस्था में किसी भी गड़बड़ी को रोकने के लिए राज्य में इंटरनेट सेवाओं पर रोक पांच दिन बढ़ा दी है। अब 10 जुलाई अपराह्न तीन बजे तक इंटरनेट सेवाओं पर रोक रहेगी। अधिकारियों ने तीन मई को जातीय समुदायों के बीच झड़पें शुरू होने के बाद पहली बार राज्य में इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध लगाया था। इसे समय-समय पर बढ़ाया जाता रहा है।

गृह आयुक्त टी. रणजीत सिंह की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, आशंका है कि कुछ असामाजिक तत्व जनता की भावनाएं भड़काने वाली तस्वीरें, नफरत भरे भाषण और वीडियो संदेश प्रसारित करने के लिए बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर सकते हैं, जिसका कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर असर हो सकता है। राज्य में मेइती और कुकी समुदायों के बीच झड़पों में करीब 120 लोगों की जान जा चुकी है और 3,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। पहली बार हिंसा तीन मई को तब भड़की, जब मेइती समुदाय की अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में राज्य के पहाड़ी जिलों में 'जनजातीय एकजुटता मार्च आयोजित किया गया था।

फोटो: 4पीएम

**सदस्यता** प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी, समाजवादी पार्टी तथा बहुजन समाज पार्टी के कई नेताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वितीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।